भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र

जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर – 302 017

भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र जयपुर उत्तरी भारत में वास्तुकला का एक ऐसा अनुपम उदाहरण है, जहाँ कैंसर रोगियों को हर प्रकार की जाँच एवं चिकित्सा एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही है। यहाँ अत्याधुनिक उपकरणों एवं योग्य व अनुभवी कैंसर चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा उपचार की सम्पूर्ण व्यवस्था है। मेडीकल आन्कोलोजी, सर्जीकल आन्कोलॉजी तथा रेडियेशन आन्कोलोजी विभाग पूर्णत सक्रिय है। कैंसर चिकित्सा में विशेष रूप से प्रशिक्षित नर्सिंग व प्रशासनिक स्टॉफ रोगियों को सुख सुविधाऐं उपलब्ध कराने में समर्पित भावना से कार्य कर रहे है।

तत्कालीन मुख्यमंत्री मान्नीय श्री भैरोसिंह जी शेखावत ने राज्य सरकार की ओर से सहयोग के रूप में 22,166 वर्गगज भूमि आवंटित की थी। संस्था के तत्कालीन प्रबन्ध न्यासी स्वर्गीय श्री विद्या विनोद जी काला, जो स्वंय कैंसर रोग से पीड़ित थे, का स्वप्न था कि इस चिकित्सालय में कैंसर के उपचार की सभी सुविधाऐं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो। इस स्वप्न को साकार करने का श्रेय संस्था के अध्यक्ष श्री नवरतन कोठारी को जाता है। इन्होंने के. जी. कोठारी मैमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष की हैसियत से इस चिकित्सालय को कार्यरत रूप में लाने के लिये जुलाई 1996 में इसके सम्पूर्ण निर्माण एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी स्वीकार की थी। यहाँ कैंसर की उपचार की प्रारम्भिक सेवाओं का लोकार्पण मान्नीय श्री भैरोसिंह जी शेखावत द्वारा 23 अक्टूबर 1997 को किया गया था। यहाँ उपचार करवाने का खर्चा देश के अन्य निजी चिकित्सालयों से कम है। असहाय एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे रोगियों का उपचार निःशुल्क किया जा रहा है। आर्थिक दृष्टि से कमजोर रोगियों को भी उपचार व्यय में छूट दी जाती है। चिकित्सालय में भर्ती रोगियों को दूध, बिस्किट, व सादा भोजन, तथा अवास सुविधा (डोरमेटरी) निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। बाल रोगियों के मनोरंजन हेतु चिल्ड्रन प्लेरूम की व्यवस्था की गई है। जिसमें विभिन्न तरह के मन लुभावने खिलौने उपलब्ध करवाये गये है।

भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय द्वारा प्रथम नेशनल काम्प्रीहैन्सिव कैंसर नेटवर्क (NCCN-2002) का आयोजन किया गया था, जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम द्वारा किया गया था। इसमें विश्व के विभिन्न देशों के कैंसर विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया गया था।
वर्तमान में इस चिकित्सालय द्वारा निम्न सुविधाऐं उपलब्ध कराई जा रही हैः–

1. चिकित्सालय में रोगियों के लिये विभिन्न श्रेणियों की 160 शैययाऐं उपलब्ध है। रोगी अपनी सुविधा एवं आवश्यकतानुसार सामान्य, इकोनामी डीलक्स सेमी प्राइवेट एवं प्राइवेट तथा सुपर डीलक्स कक्ष में इलाज करवा सकता है।

<u>रेडियोडायग्नोसिस</u>

सी.टी.स्केन स्पाइरल	–	सी.टी 3 डी स्कैन तथा सी.टी.एन्जियोग्राफी
कलर डॉपलर (सोनोग्राफी)	–	पेट, बच्चेदानी, थॉयराईड एवं अन्य सभी जाँच हेतु।
मैमोग्राफी	–	स्तन कैंसर की प्रारम्भिक अवस्था में जाँच
आर्थोपेन्टोमोग्राफी	–	दांत तथा जबड़ो की जाँच हेतु
इमेज इन्टेन्सीफायर	–	भोजन नली एवं आंतो से सम्बन्धित जाँच हेतु
एक्सरे	–	500 एम.ए एवं 60 एम ए

<u>नोट</u> : एक्सरे, अल्ट्रासाउन्ड, सी.टी.स्केन, एवं मैमोग्राफी, डीजिटल टैक्नोलॉजी पर स्थापित की गई।

<u>पैथॉलॉजी सेवाऐं</u>

भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र जयपुर उत्तरी भारत में वास्तुकला का एक ऐसा अनुपम उदाहरण है, जहाँ कैसर रोगियों को हर प्रकार की जाँच एवं चिकित्सा एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही है। यहाँ अत्याधुनिक उपकरणों एवं योग्य व अनुभवी कैंसर चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा उपचार की सम्पूर्ण व्यवस्था है। मेडीकल आन्कोलोजी, सर्जीकल आन्कोलॉजी तथा रेडियेशन आन्कोलोजी विभाग पूर्णत सक्रिय है। कैंसर चिकित्सा में विशेष रूप से प्रशिक्षित नर्सिंग व प्रशासनिक स्टॉफ रोगियों को सुख सुविधाऐं उपलब्ध कराने में समर्पित भावना से कार्य कर रहे है।

तत्कालीन मुख्यमंत्री मान्नीय श्री भैरोसिंह जी शेखावत ने राज्य सरकार की ओर से सहयोग के रूप में 22,166 वर्गगज भूमि आवंटित की थी। संस्था के तत्कालीन प्रबन्ध न्यासी स्वर्गीय श्री विद्या विनोद जी काला, जो स्वंय कैंसर रोग से पीड़ित थे, का स्वप्न था कि इस चिकित्सालय में कैंसर के उपचार की सभी सुविधाऐं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो। इस स्वप्न को साकार करने का श्रेय संस्था के अध्यक्ष श्री नवरतन कोठारी को जाता है। इन्होंने के. जी. कोठारी मैमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष की हैसियत से इस चिकित्सालय को कार्यरत रूप में लाने के लिये जुलाई 1996 में इसके सम्पूर्ण निर्माण एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी स्वीकार की थी। यहाँ कैंसर की उपचार की प्रारम्भिक सेवाओं का लोकार्पण मान्नीय श्री भैरोसिंह जी शेखावत द्वारा 23 अक्टूबर 1997 को किया गया था। यहाँ उपचार करवाने का खर्चा देश के अन्य निजी चिकित्सालयों से कम है। असहाय एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे रोगियों का उपचार निःशुल्क किया जा रहा है। आर्थिक दृष्टि से कमजोर रोगियों को भी उपचार व्यय में छूट दी जाती है। चिकित्सालय में भर्ती रोगियों को दूध, बिस्किट, व सादा भोजन, तथा अवास सुविधा

(डोरमेटरी) निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। बाल रोगियों के मनोरंजन हेतु चिल्ड्रन प्लेरूम की व्यवस्था की गई है। जिसमें विभिन्न तरह के मन लुभावने खिलौने उपलब्ध करवाये गये है।

भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय द्वारा प्रथम नेशनल काम्प्रीहैन्सिव कैंसर नेटवर्क (NCCN-2002) का आयोजन किया गया था, जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम द्वारा किया गया था। इसमें विश्व के विभिन्न देशों के कैंसर विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया गया था।
वर्तमान में इस चिकित्सालय द्वारा निम्न सुविधाऐं उपलब्ध कराई जा रही हैः–

1. चिकित्सालय में रोगियों के लिये विभिन्न श्रेणियों की 160 शैययाऐं उपलब्ध है। रोगी अपनी सुविधा एवं आवश्यकतानुसार सामान्य, इकोनामी डीलक्स सेमी प्राइवेट एवं प्राइवेट तथा सुपर डीलक्स कक्ष में इलाज करवा सकता है।

<u>रेडियोडायग्नोसिस</u>

सी.टी.स्केन स्पाइरल	–	सी.टी 3 डी स्कैन तथा सी.टी.एन्जियोग्राफी
कलर डॉपलर (सोनोग्राफी)	–	पेट, बच्चेदानी, थॉयराईड एवं अन्य सभी जाँच हेतु।
मैमोग्राफी	–	स्तन कैंसर की प्रारम्भिक अवस्था में जाँच
आर्थोपेन्टोमोग्राफी	–	दांत तथा जबड़ो की जाँच हेतु
इमेज इन्टेन्सीफायर	–	भोजन नली एवं आंतो से सम्बन्धित जाँच हेतु
एक्सरे	–	500 एम.ए एवं 60 एम ए

<u>नोट</u> : एक्सरे, अल्ट्रासाउन्ड, सी.टी.स्केन, एवं मैमोग्राफी, डीजिटल टैक्नोलॉजी पर स्थापित की गई।

<u>पैथॉलॉजी सेवाऐं</u>

हिमेटोलॉजी, बायोकैमेस्ट्री, सीरोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी, (एफ.एन.ए.सी एस्पीरेशन एवं एक्सफोलिऐटिव) टयूमर एवं इन्ट्रा ऑपरेटिव फ्रोजन सैक्शन आदि की जाँच सुविधाऐं। स्तन कैंसर के इलाज में सहायक ER/PR व HER-2/neu टैस्ट भी न्यूनतम शुल्क पर किये जा रहे है।

<u>रेडियेशन ऑन्कोलॉजी</u>

कन्वेन्शनल टैलीथैरेपी ईकाई टयूमर को गामा किरणें देने हेतु तथा 3 डी प्लेटो रेडियोथैरेपी की योजना हेतु सम्पूर्ण कम्पयूटराईज्ड पद्वति।

<u>ब्रेकीथैरेपी ईकाई</u>

हाईडोज ब्रेकीथैरेपी ईकाई सबसे कम साइड इफैक्ट के साथ ज्यादा टयूमर डोज पहुँचाती है।

<u>लीनियर एक्सीलरेटर आई.एम.आर.टी मोडयूल सहित</u>

इससे शरीर के भीतर गहराई में स्थित कैंसर को बिना बाह्य अंगो को प्रभावित किये रेडियेशन दिया जाता है। इसके द्वारा रेडियेशन के दुष्प्रभाव नगण्य होते है।

<u>मेडिकल ऑन्कोलोजी</u>

उच्च प्रशिक्षण प्राप्त मेडीकल ऑन्कोलोजिस्टस (कैंसर रोग विशेषज्ञ) तथा प्रशिक्षित नर्सेज के देखरेख में डे केयर वार्ड एवं इन्डोर वार्ड के रोगियों को अत्याधुनिक इन्फयूजन एवं सीरीज पम्पो के द्वारा कीमोथैरेपी दी जाती है।

<u>सर्जीकल आन्कोलोजी</u>

शल्य चिकित्सा द्वारा कैंसर के इलाज के लिये लेमिनर एयर फ्लो द्वारा शून्य जीवाणु रहित अत्याधुनिक सुविधाओ से युक्त शल्य कक्ष (ऑपरेशन थियेटर)

<u>फ्रोजन सैक्शन</u>

सर्जन द्वारा तुरन्त उपचार का निर्णय लेने हेतु फ्रोजन सैक्शन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

<u>एण्डोस्कोपी</u>

मूत्र नली, पौरूष ग्रंथि, भोजननली, स्वरयंत्र, फेफड़ो की पेटेंक्स की नवीनतम वीडियो तकनीक द्वारा सूक्ष्म जाँच की जाती है।

<u>गाइनोकोलोजिकल ऑन्कोलोजी</u>

महिलाओं से सम्बन्धित रोगों की जाँच एवं कैंसर निदान सेवाऐं नियमित रूप से उपलब्ध है।

<u>ऐनेस्थिशिया (निश्चेतन सेवाऐं)</u>

नवीनतम एक्सेल बॉयल्स यंत्र, जीवनदायी उपकरण तथा आवश्यक प्राण श्रोतों द्वारा रोगी की निश्चेतन करने की सुविधा

अ. ऑपरेशन के बाद पूर्ण दर्द निवारण यंत्र की सुविधा

ब. पेन एवं पैलियेटिव सेवाऐं – कैंसर और इसके इलाज से उत्पन्न दर्द व तकलीफ में राहत की सुविधा।

<u>सम्पूर्ण गहन चिकित्सा ईकाई</u>

गम्भीर रूप से बीमार कैंसर रोगियों के लिये पूर्णतया अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरणों से सुसज्जित ईकाई की व्यवस्था है।

<u>ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (ब्लड बैंक)</u>

- अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ब्लड बैंक की सुविधा
- 1500 यूनिट रक्त संग्रह की व्यवस्था
- पूर्ण जाँच के बाद सेफ ब्लड दिया जाता है।
- सेल पृथक्करण कम्पोनेन्ट थैरेपी एवं ब्लड इरेडियेटर
- मोबाइल ट्रांसफ्यूजन यूनिट ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन कर दूर दराज के इलाकों से भी रक्त एकत्रित किया जा रहा है।

ब्लड इरेडियेटर

राजस्थान में यह सुविधा केवल इसी संस्था में उपलब्ध है, यह जी.वी.एच रियेक्शन रोके जाने में सहायक है।

योग, प्राकृतिक वैकल्पिक चिकित्सा

अपनी खान–पान की प्रवृति में तथा रहन सहन की शैली में बदलाव करके भी कई प्रकार के कैंसर रोगों से बचा जा सकता है।

प्राकृतिक एवं यौगिक विज्ञान की यह मान्यता है कि मानव शरीर में ऐसे तत्व विद्यमान है जो कई प्रकार के रोगों के विरूद्व लड़ने में सक्षम है।

एकेडमिक्स (इन हाऊस)

साप्ताहिक टयूमर बोर्ड क्लीनिंक मीटिंग में इलाज के लिये सामूहिक रूप से वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञों द्वारा निर्णय लिये जाते है।

मार्टेलिटी रिव्यू मीटिंग

मार्टेलिटी मीटिंग में किये गये इलाज की पूर्ण समीक्षा की जाती है और इस समीक्षा से प्राप्त अनुभवों का भविष्य में सदुपयोग किया जाता है।

चल चिकित्सा ईकाई द्वारा निःशुल्क कैंसर जाँच व निदान शिविर

कैंसर रोग की पहचान जाँच व निदान हेतु एक पूर्णतया वातानुकूलित चल चिकित्सा वाहन की व्यवस्था है जो अल्ट्रासोनोग्राफी, मोबाइल एक्सरे एवं पैथोलॉजी उपकरणों से सुसज्जित है। राजस्थान व हरियाणा आदि में स्थानीय सामाजिक संस्थाओं, न्यासों व क्लबों के सहयोग से गांवो, ढाणियों शहरों आदि में निःशुल्क शिविर आयोजित किये जा रहे है। शिविर में चिन्हित रोगी का चिकित्सालय में उपलब्ध सामान्य चिकित्सा सुविधाऐं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

फार्मेसी

चिकित्सालय द्वारा संचालित फार्मेसी पर हर समय (24 घण्टे) दवाईयाँ उपलब्ध कराई जाती है। यहाँ रोगियों को एम.आर.पी दर से भी कम कीमत पर दवाईयाँ उपलब्ध कराई जाती है।

कैंसर केयर

महिला प्रकोष्ठ **"कैंसर केयर"** रोगियों व उनके परिजनों को आर्थिक सहायता व मानसिक सम्बल प्रदान करता है। इस संस्था द्वारा कैंसर रोग की जाँच एवं निदान हेतु गांवो, कस्बों व शहरों में निःशुल्क शिविर आयोजित किये जा रहे है। चिकित्सालय परिसर में भोजनालय, कैन्टीन, एस.टी.डी फोटोस्टेट आदि व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। निर्धन व असहाय रोगियों की सहायता हेतु धन एकत्रित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष एक विशाल केयर फेयर (मेले) का आयोजन किया जाता है। इससे प्राप्त सम्पूर्ण राशि कैंसर रोगियों को निःशुल्क दवाईयों एवं उनके इलाज की अन्य सुविधाओं पर खर्च की जाती है। कैंसर का इलाज करवाकर स्वस्थ जीवन निर्वाह कर रहे नागरिकों को आमन्त्रित कर सम्मानित करने हेतु प्रत्येक वर्ष "कैंसर सरवाइवर्स दिवस" (कैंसर विजय दिवस) समारोह आयोजित किये जाते है। कैंसर रोगियों से इन्हें रूबरू करवाकर इनके अनुभवों से रोगियों का मनोबल बढाने के प्रयास किये जाते है।

मेक–ए–विश

के. जी. कोठारी ग्रुप के सहयोग से मेक ए विश फाउन्डेशन ऑफ इण्डिया राजस्थान सम्भाग ईकाई की स्थापना की गई है। इस संस्था के माध्यम से 3 से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों की रोग की पीड़ा कम करने के उद्देश्य से उनकी हार्दिक इच्छा की पूर्ति कर उनमें आत्मविश्वास जागृत किया जाता है। इनके मनोरंजन हेतु जादू के खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इस संस्था की निदेशिका श्रीमती अनिला कोठारी है जिनके प्रयासों से अब तक लगभग 900 बाल रोगियों की इच्छापूर्ति की जा चुकी है।

आपात सेवाऐं

कैंसर रोगियों को आपात सेवा प्रदान करने हेतु वरिष्ठ विशेषज्ञों के सहयोग से रेजीडेन्ट डाक्टर्स एवं प्रशिक्षित नर्सेज की देखरेख में 24 घंटे आपात सेवा की व्यवस्था है।

रेजीडेन्शियल कॉम्पलैक्स

चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सक, पैरामैडिकल स्टॉफ नर्सिंग व अन्य अधिकारियों को चिकित्सालय परिसर में ही आवास सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु "**केसरी भवन**" का निर्माण किया गया है।

द्वितीय चरण

कैंसर रोगियों की सुविधाओं में विस्तार करने हेतु चिकित्सालय के दूसरे चरण की योजना का शिलान्यास महामहिम तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावत द्वारा किया गया था। इस योजना में दस मंजिले भवन का निर्माण प्रगति पर है। इसमें 250 बिस्तर वाले आई.पी.डी ब्लॉक का निर्माण करवाया जा रहा है।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग

संस्था का मुख्य उद्देश्य कैंसर पीड़ित रोगियों को उत्कृष्ट श्रेणी की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। नर्सिंग कर्मियों को एम.एस.सी नर्सिंग, बी.एस.सी नर्सिंग, जी.एन.एम पाठयक्रम एवं पोस्ट बेसिक आन्कोलाजी नर्सिंग डिप्लोमा के लिये प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह राजस्थान प्रदेश के निजी क्षेत्र में प्रथम महाविद्यालय है।

भावी योजनाऐं

निम्न सुविधाओं का विस्तार करने की भावी योजनाऐं हैः–

- गॅायनी ऑन्कोलोजी, यूरो आन्कोलोजी, पैलिऐटिव ऑन्कोलोजी एवं पीडियेट्रिक ऑन्कोलोजी
- स्टोमा क्लीनिक, फिजियोथैरेपी एण्ड रिहेबिलीटेशन, स्पीच थैरेपी, साइको ऑन्कोलोजी, डेन्टल क्लीनिक होम केयर
- टैली मेडिसिन ऑन्कोलोजी, टेलिपैथोलाजी सहित
- बोन मैरो व स्टीम सेल ट्रांसप्लान्ट यूनिट
- जैनेटिक व मोलिक्यूलर बायोलॉजी लैब
- महिलाओं की बच्चेदानी की कोल्पोस्कोपी मशीन द्वारा जाँच करने के लिये राज्य के जिला स्तर के चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित करने की योजना है।
- 250 शैययाओं वाली दस मंजिलें आई.पी.डी भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।